दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
उच्च शिक्षा और शोध संस्थान
दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

दिनांकः 31.05.2015

Time: 10.00 am to 01.00 pm **बी.ए. (द्वितीय वर्ष)** **पूर्णांकः75**

राजनीतिक विज्ञान : (वैकल्पिक) प्रश्न पत्र-5
राजनीतिक सिद्धांत और भारतीय राजनीतिक चिंतन

I. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2x15=30

1. राज्य की उत्पत्ति के संबंध में सामाजिक समझौता सिद्धांत का वर्णन कीजिए।
2. राजनीतिक सिद्धांतों से क्या अभिप्राय है? इसकी प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।
3. कौटिल्य के राजनीतिक विचारों पर प्रकाश डालिए।
4. गाँधी जी के आदर्श राज्य का आधारभूत सिद्धांत सत्य तथा अहिंसा है- इस कथन पर विस्तार से प्रकाश डालिए

II. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4x7½=30

1. भू-प्रदेश के बिना राज्य अस्तित्व में नहीं आ सकता-इस कथन पर प्रकाश डालिए।
2. राज्य की उत्पत्ति के संबंध में शक्ति सिद्धांत का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
3. 'कर्तव्य' का अर्थ स्पष्ट करते हुए अधिकार एवं कर्तव्य का संबंध समझाइए।
4. स्वामी विवेकानंद का आधुनिक राजनीतिक चिंतन में क्या योगदान है? स्पष्ट कीजिए।
5. स्वराज्य प्राप्ति के साधन के रूप में तिलक के निष्किय पतिरोध को स्पष्ट कीजिए।
6. स्वामी दयानंद सरस्वती राज्य को एक लोक-कल्याणकारी संगठन मानते थे - इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।
7. भारतीय राजनीतिक चिंतन में बसवण्णा के योगदान को स्पष्ट कीजिए।
8. मनु के राजकोष संबंधी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

III. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 3x05=15

1. पारम्परागत राजनीतिक सिद्धांत की पमुख विशेषताओं को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
2. नागरिकता के उपाश्रित वर्गीय समालोचना को स्पष्ट कीजिए।
3. स्वतंत्रता के प्रमुख तत्वों का उल्लेख कीजिए।
4. भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्त्रोत के रूप में वेद के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
5. राष्ट्रीय सुरक्षा तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध विषयक स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों पर प्रकाश डालिए।
6. 'गाँधी जी ने अपने आर्थिक विचारेां में शारीरिक श्रम को महत्वपूर्ण स्थान दिया है?' इस कथन पर प्रकाश डालिए।